No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

12046

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन कंज की मंजुलताई हरैं ।
अति सुन्दर सोहत धूरि भरे, छबि भूरि अनंग की दूरि करैं ।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनि ज्यों, किलकैं कित बाल-विनोद करैं ।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी मन मंदिर में बिहरैं ।।

(ख) (i) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत लजियात ।
भरे भौन में करत हैं नैनन ही सब बात ।।

(ii) तजि तीरथ हरि राधिका तन दुति करि अनुरागु ।
जिहिं ब्रज केलि निकुंज मग, पग-पग होतु प्रयाग ।।

(iii) उड़त गुड़ी लखि लाल की, अंगना अंगना मांहि ।
बौरी सी दौरी फिरत छुवति छबीली छांह ।।

(ग) निराकार तम मानो सहसा
ज्योति-पुंज में हो साकार
बदल गया द्रुत जगत् जाल में
धर कर नाम रूप नाना
सिहर उठे पुलकित हो द्रुम-दल
सुप्त समीरण हुआ अधीर
झलका हास कुसुम-अधरों पर
हिल मोती का सा दाना;
खुले पलक, फैली सुवर्ण छवि,
जगी सुरभि, डोले मधुबाल,
स्पंदन कंपन औ' नवजीवन
सीखा जग ने अपनाना
प्रथम रश्मि का आना रंगिणि !
तूने कैसे पहचाना ?

(घ) हरी बिछली घास ।
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की ।
अगर मैं तुमको ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई,
टटकी कली चम्पे की, वग़ैरह तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।
बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गये हैं ।
देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच
कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है ।

(ङ) छीनता हो स्वत्व कोई, और तू
त्याग तप से काम ले, यह पाप है ।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे
बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो ।
बद्ध विदलित और साधन हीन को
है उचित अवलंब अपनी आह का
गिड़ गिड़ाकर किन्तु माँगे भीख क्यों
वह पुरुष जिसकी भुजा में शक्ति हो ।

2. रासो काव्य-परम्परा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए । *16*

3. सूर की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए । *16*

4. घनानंद के काव्यगत वैशिष्ट्य का मूल्यांकन कीजिए । *16*

5. छायावाद की कसौटी पर महादेवी की कविता के महत्त्व का उद्‌घाटन कीजिए । *16*

6. सर्वेश्वर की काव्य-संवेदना के विविध पक्षों पर विचार कीजिए । *16*

7. अज्ञेय के काव्य की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए । *16*

8. कुरुक्षेत्र के काव्य-रूप का निर्धारण कीजिए । *16*

9. 'छायावाद और जयशंकर प्रसाद' इस विषय पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए । *16*

10. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीजिए : *2×8=16*

(क) प्रयोगवाद

(ख) महादेवी की गीत-योजना

(ग) रहीम

(घ) देव

(ङ) मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना